६०१/१८५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १६ जून, २०१३)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००) **सत्संग प्रवीण - १**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना - द्वितीय संस्करण, मार्च - २००७

प्र.१ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए ।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।) [६]

१. भगवान को सर्वकर्ता-हर्ता जानने की आवश्यकता । (९, १०)
२. भगवान और संत को दिव्य समझना अनिवार्य है । (२५-२८)
३. उपासना का महत्त्व । (२-३)
४. भगवान में मनुष्यभाव देखने से हानियाँ । (२८-३२)

प्र.२ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । [५]

उदाहरण : ''मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम । तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार ॥''
उत्तर : धाम में और पृथ्वी पर - दोनों जगह सदा साकार ।'

१. स्वामी को प्रसन्न करना महाराज को प्रसन्न करना है । (१४७)
२. धाम धामी ज साथे पधार्या, स्वामी ने महाराज, एकांतिक धर्म स्थापवा बनी, अलौकिक जोड़ी आज रे ॥ (१२७)
३. श्रीजीमहाराज को पुरुषोत्तम जाने बिना अक्षरधाम में नहीं जा सकते । (३५)
४. बंध कीधां बीजां बारणां रे, वहेती कीधी अक्षरवाट पुरुषोत्तम प्रगटी रे । (६६)
५. यहाँ जो दिखाई देती है, ऐसी ही मूर्ति अक्षरधाम में है । उसमें लेशमात्र भी अंतर नहीं है । (१३८)

प्र.३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानंद स्वामी मूल अक्षर है, इस सत्य को प्रतिपादित करनेवाले संत । (१३४, १३५, १३९, १४३, १४४)
(१) ☐ गोपालानंद स्वामी । (२) ☐ नृसिंहानंद स्वामी ।
(३) ☐ केशवजीवनदासजी स्वामी । (४) ☐ विज्ञानानंद स्वामी ।

२. उपासना किसे कहते हैं ? (५)
(१) ☐ काल सर्वकर्ता हैं । (२) ☐ भगवान सदा दिव्य साकार हैं ।
(३) ☐ भगवान सर्वोपरि हैं । (४) ☐ कभी कभी प्रकट रहते हैं ।

प्र.४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन कर के उसका सिद्धांत लिखें । [४]

१. आत्मानंद स्वामी को सर्वोपरि उपासना की समझ । (६०)
२. दादा खाचर के मकान के छत की खपरैलों का ध्यान करो । (७५)
३. मैं तो आपमें अखंड रहता हूँ । (८५-८६)

प्र.५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) [८]

१. अक्षरब्रह्म - एक और अद्वितीय । (११७-११८)
२. प्रकट की पहचान ही ज्ञान । (७०-७१)
३. उत्पति सर्ग समझाइए । (४६-५१)
४. श्रीजीमहाराज के मुख से गुणातीतानंद स्वामी की अपूर्व महिमा । (१३१-१३४)

प्र.६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) [८]

१. शीतलदास के अनंत स्वरूप हुए । (५२)
२. श्रीजीमहाराज ने उदास होकर कहा, ''आप सब कबूतर के कबूतर ही रहे ।'' (५७)
३. शास्त्रीजी महाराज ने अक्षरपुरुषोत्तम के मन्दिरों में अवतारों की मूर्तियों की भी स्थापना की है । (६४-६५)
४. जिनके पास ज्ञान दृष्टि है, उनके लिए तो भगवान कभी भी परोक्ष नहीं होते हैं । (८३-८४)

प्र.७ उपासना में क्या समझना चाहिए ? और क्या नहीं समझना चाहिए ? उसके आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । [७]

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. अक्षरब्रह्म भी अक्षरधाम में ..... निर्गुण कर देते हैं । (१५६)
२. हमारी उपासना अक्षर ..... दो चरण की ही है । (१५६-१५७)
३. पुरुषोत्तम की ..... भिन्न भिन्न हैं । (१५६)
४. सगुण और निर्गुणरूप ..... सूक्ष्म से भी सूक्ष्म हैं । (१५६)

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. प्रकट ब्रह्मस्वरूप ..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । (१५८-१५९)
६. अकेले पुरुषोत्तम ही हैं ..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । (१५८)
७. आज्ञा का पालन किए बिना ..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । (१५९)

प्र.८ टिप्पणी लिखिए । - गुणातीत संत के लक्षण । (८९-९२) [५]

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवीण-१**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ - प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२
और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज - द्वितीय संस्करण, जून - २००७

प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **[९]**

१. ''हमारे घर संतों को आने-जाने की आपने मना कर दी ।'' (७२) **अथवा** २. ''मैं ने कुछ भी गलत नहीं किया है ।'' (७६)
३. ''तो इस गाँव छोड़कर हमें अभी अभी भागना पड़े ।'' (१९) **अथवा** ४. ''आप मेरे गाँव में पधारिये न !'' (३२)
५. ''मैं कोठारी स्वामी को पत्र लिखकर सारी व्यवस्था करा दूँगा ।'' (२३) **अथवा** ६. ''अभी स्नान मत करना ।'' (२८)

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **[८]**

१. रघुवीरजी महाराज ने स्वयं रसोई करने की तैयारियाँ कर दी । (४९) **अथवा**
२. निष्कुलानंद स्वामी स्त्रियों की सभा में नहीं गए । (४१)
३. कूकड़ और ओदरका के बीच में उमंग छलक रहा था । (५५) **अथवा**
४. सत्पुरुष के लिए भाषा के कोई बंधन नहीं होते । (२९)

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) **[८]**

१. कुशलकुंवरबा की संतों के प्रति आत्मीयता । (६१) **अथवा** २. गोपालानंद स्वामी का त्याग वैराग्य । (९)
३. निःस्वादी महापुरुष । (४८) **अथवा** ४. ऐसे घर को तो तीर्थ कहा जा सकता है । (३६)

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[५]**

१. शिवलाल सेठ ने किस हरिभक्त को जीवित रहने तक पूरी सहायता दी ? (८०)
२. लालजी भक्त के पत्नी और पुत्रों के नाम क्या थे? (३६)
३. ईड़र के राजा किसकी क्षमायाचना करने गये ? (३)
४. वैश्विक शांति किस प्रकार संभव है ? (६०)
५. स्वामीश्री के रोम रोम में कैसा उत्साह था ? (४०)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. निष्कुलानंद स्वामी ने कौन कौन से ग्रंथों की रचना की ? (४४)
(१) ☐ सतीगीता । (२) ☐ भक्तचिंतामणि । (३) ☐ यमदंड । (४) ☐ ब्रह्मसूत्र भाष्य ।

२. मुक्तानंद स्वामी के रचे हुए कीर्तन । (२५, २३)
(१) ☐ छांडी के श्रीकृष्ण देव.... (२) ☐ भ्रमणा भांगी रे हैयानी.....
(३) ☐ धन्य आजनी घड़ी.... (४) ☐ संत समागम कीजे.....

३. रघुवीरजी महाराज । (५४)
(१) ☐ 'पूरे वरताल में एक रघुवीरजी महाराज ने ही मुझे पहचाना ।' (२) ☐ रघुवीरजी महाराज रामप्रतापभाई के पुत्र थे ।
(३) ☐ त्याग तो महाराज के त्याग के बराबर । (४) ☐ रघुवीरजी महाराज ने वरताल में हरिकृष्ण महाराज की प्रतिष्ठा की ।

४. स्वामीश्री की क्षमाभावना । (३०, ४४)
(१) ☐ दार-ए-सलाम एयरपोर्ट । (२) ☐ त्रिचिनापल्ली ।
(३) ☐ लंदन । (४) ☐ लोस एन्जलस ।

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । **[१५]**

१. युवकों के चारित्र्य-शिल्पी : प्रमुखस्वामी महाराज । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - सितम्बर - २०१२)
२. शिक्षा में अनुशासन की अनिवार्यता । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - अक्टूबर - २०१२)
३. भावी विश्व के निर्माता : B.A.P.S. के नवयुवक । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - फरवरी-मार्च - २०१३)

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ जुलाई, २०१३ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm